

चंदा और टोपी

प्रस्तुतकर्ता नोनी

हम सब गाँव का मेला देखने गए।

पापा ने चिट्ठू को रंगीन चश्मा दिलवाया। माँ ने मेरे लिए एक चमकदार नीली टोपी खरीदी। छोटी गुड़िया को मिली मीठी कैंडी।

घर लौटते समय, बड़े ज़ोर की आंधी आई। जिससे मेरी टोपी उड़ गई।

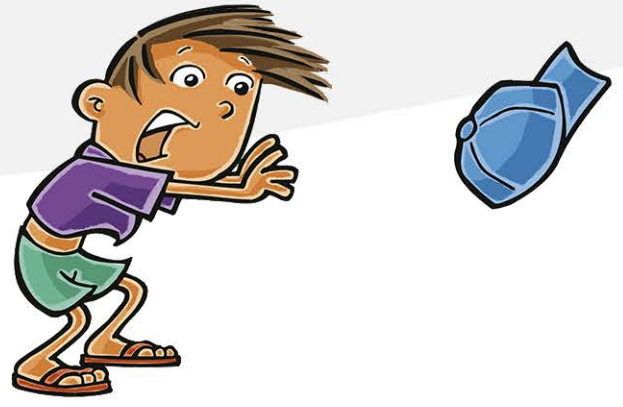
मेरी टोपी जा फँसी थी पुराने पीपल की एक डाल पर।

मैं बहुत रोया। रात का खाना भी नहीं खाया मैंने।

उसी रात थोड़ी देर बाद आसमान में चंदा मामा आ गए। उन्होंने पीपल के पेड़ पर फँसी मेरी टोपी देखी, फिर चंदा मामा ने मेरी टोपी पहन ली।

वे धीरे से मुस्कुराये। उनके साथ मैं भी मुस्कुराया।





अगले दिन स्कूल से लौटते ही, माँ ने मुझे एक चमकदार लाल टोपी दी। उन्होंने कहा, “यह चंदा मामा ने भेजी है।”

उस रात, चंदा मामा और मैंने अपनी-अपनी टोपियाँ पहनीं और एक दूसरे पर मुस्कुराये। हम खुश थे।

आपको लगता है कि सूरज चाचू को भी लाल टोपी की ज़रूरत है?

समाप्त

Click below to follow us:



You Tube

facebook

